**ॐ जय जगदीश हरे,**  
**स्वामी जय जगदीश हरे ।**  
**भक्त जनों के संकट,**  
**दास जनों के संकट,**  
**क्षण में दूर करे ॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**जो ध्यावे फल पावे,**  
**दुःख बिनसे मन का,**  
**स्वामी दुःख बिनसे मन का ।**  
**सुख सम्पति घर आवे,**  
**सुख सम्पति घर आवे,**  
**कष्ट मिटे तन का ॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**मात पिता तुम मेरे,**  
**शरण गहूं किसकी,**  
**स्वामी शरण गहूं मैं किसकी ।**  
**तुम बिन और न दूजा,**  
**तुम बिन और न दूजा,**  
**आस करूं मैं जिसकी ॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**तुम पूरण परमात्मा,**  
**तुम अन्तर्यामी,**  
**स्वामी तुम अन्तर्यामी ।**  
**पारब्रह्म परमेश्वर,**  
**पारब्रह्म परमेश्वर,**  
**तुम सब के स्वामी ॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**तुम करुणा के सागर,**  
**तुम पालनकर्ता,**  
**स्वामी तुम पालनकर्ता ।**  
**मैं मूरख फलकामी,**  
**मैं सेवक तुम स्वामी,**  
**कृपा करो भर्ता॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**तुम हो एक अगोचर,**  
**सबके प्राणपति,**  
**स्वामी सबके प्राणपति ।**  
**किस विधि मिलूं दयामय,**  
**किस विधि मिलूं दयामय,**  
**तुमको मैं कुमति ॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**दीन-बन्धु दुःख-हर्ता,**  
**ठाकुर तुम मेरे,**  
**स्वामी रक्षक तुम मेरे ।**  
**अपने हाथ उठाओ,**  
**अपने शरण लगाओ,**  
**द्वार पड़ा तेरे ॥**  
॥ ॐ जय जगदीश हरे..॥  
  
**विषय-विकार मिटाओ,**  
**पाप हरो देवा,**  
**स्वमी पाप(कष्ट) हरो देवा ।**  
**श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,**  
**श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,**  
**सन्तन की सेवा ॥**  
  
ॐ जय जगदीश हरे,  
स्वामी जय जगदीश हरे ।  
भक्त जनों के संकट,  
दास जनों के संकट,  
क्षण में दूर करे ॥